विनायक को सजा मिलना न्याय की विफलता : अमर्त्य सेन

नई दिल्ली (एसएनबी)। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने मानवाधिकार कार्यकर्ता डॉ. विनायक सेन का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें दी गई उम्र कैद की सजा 'न्याय की विफलता' की तरह है।

सेन ने आशा जताई कि छत्तीसगढ़ की एक अदालत से 'राजद्रोह' और नक्सलियों से संपर्क रखने के अपराध में आजीवन कारावास की सजा पाए विनायक सेन का मामला देश की उच्च अदालतों में चुनौती दिए जाने पर नहीं टिकेगा। नोबेल पुरस्कार विजेता ने पत्रकार और वृत्तचित्र निर्माता मिन्नी वैद की पुस्तक 'ए डॉक्टर टू डिफेंड- द स्टोरी ऑफ विनायक सेन' का विमोचन करते हुए यह बात कही। उन्होंने ध्यान दिलाया कि ग्रामीण छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं को पहुंचाने में विनायक ने एक उदाहरण पेश किया है। सेन ने कहा कि यह फैसला भारतीय लोकतंत्र, कानूनी ढांचे और समानता के मुद्दे के साथ भारतीय जुड़ाव पर प्रश्न चिन्ह उठाता है। सेन के मुताबिक, यह फैसला दर्शाता है कि उन्हें अन्यायपूर्ण तरीके से दोषी ठहराया गया है। उन्होंने कहा कि हालांकि यह मामला अभी भी विचाराधीन है और हमे दूसरी अटकलें नहीं लगानी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह फैसला बदल दिया जाएगा।